

# सीएम ने उज्जैन में किया डीप-टेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर का उद्घाटन IIT जैसे होंगे इंजीनियरिंग कॉलेज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क  
patrika.com

उज्जैन. तकनीकी क्षेत्र में भी शहर अपनी विशेष पहचान बनाएगा। उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा के लिए शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में डीप टेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर शुरू किया गया है। यहां तीन अत्याधुनिक लैब खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी धरोहर तथा नवाचार केंद्र, लेजर इंजीनियरिंग लैब और मेकर स्पेस लैब संचालित होगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को शास. इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं उद्यमिता अनुभावात्मक विद्यार्जन (डीप-टेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर) केंद्र का उद्घाटन किया। सीएम ने कहा, हमारा संकल्प है कि मप्र में आइआईटी की तर्ज पर प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज विकसित किए



जाएंगे। आइआईटी की तरह कैंपस होंगे। आइआईटी से हो रहे ज्ञान के प्रसार को इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी भी सीख सकेंगे। सैटेलाइट परिसर की स्थापना से मप्र में तकनीकी शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। आयोजन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मप्र को नवीन ज्ञान परंपरा का केंद्र बनाने के लिए इंदौर और उज्जैन कॉरिडोर इसका नेतृत्व करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्नी सीमा के साथ बाबा महाकाल का पूजन किया। पूर्व सीएम उमा भारती, सिने अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी के अलावा दिनभर वीआइपी के आने का सिलसिला चलता रहा। पर्व पर साढ़े सात लाख श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। अपेक्षाकृत सुगमता से दर्शन हुए।

आइआईटी इंदौर विस्तृत रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन कराए।

सीएम खजुराहो भी पहुंचे। मतंगेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के बाद कहा, सरकार ने निर्णय लिया है कि देव स्थान की हर जगह जीवंत इकाई के रूप में विधिवत पूजा हो। मतंगेश्वर मंदिर के नवीनीकरण का फैसला लिया है। खजुराहो के देवालयों में पूजा हो, इसके लिए पुरातत्व विभाग के साथ मिलकर प्रयास किए जाएंगे।